ऑनलाइन आवेदन शुरू, 10 अगस्त अंतिम तिथि

प्री-बीपीएड और प्री-एमपीएड प्रवेश परीक्षा 8 सितंबर को

एजुकेशन रिपोर्टर | बीकानेर

प्री-बीपीएड और प्री-एमपीएड प्रवेश परीक्षा भी इस बार वर्धमान खुला विश्वविद्यालय कोटा की ओर से आयोजित की जाएगी। राज्य सरकार ने दोनों परीक्षाओं के लिए कोटा खुला विश्वविद्यालय को नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। नोडल एजेंसी की ओर से दोनों परीक्षाओं का शेड्यूल घोषित कर दिया है। प्री-बीपीएड और प्री-एमपीएड प्रवेश परीक्षा 8 सितंबर को होगी। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 अगस्त से शुरू हो चुकी है अभ्यर्थी अंतिम तिथि 10 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा समन्वयक डॉ.कपिल गौतम ने बताया कि प्रवेश परीक्षा किसी एक शहर में आयोजित न कर राजस्थान के सात संभागों (जयपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर अजमेर एवं भरतपुर) में आयोजित कराई जाएगी। साथ ही छात्रों को सुविधा के लिए इस बार शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए भी राजस्थान के दो शहरों (कोटा और उदयपुर) का विकल्प उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा 100 अंकों की होगी। ऑनलाइन आवेदन करते समय अभ्यर्थी को प्रश्न पत्र की भाषा हिन्दी अथवा अंग्रेजी दोनों में से किसी एक भाषा का चयन करना होगा। चयनित भाषा के आधार पर ही अभ्यर्थी को हिन्दी अथवा अंग्रेजी दोनों में से किसी एक भाषा में ही प्रश्न पत्र दिया जाएगा। अभ्यर्थी को प्रश्न पत्र दोनों भाषाओं में देय नहीं होगा।

70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स को मिलेगा पांच प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता: भजनलाल शर्मा

कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा

वेतन विसंगति संबंधी सिफारिशें जल्द होंगी लागू

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट में कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के कल्याण के लिए वेतन विसंगति संबंधी सुधार, अधिकतम ग्रेच्युटी राशि में वृद्धि, पेंशन वृद्धि, चिकित्सा सुविधाओं में सुधार जैसी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनसे कर्मचारियों तथा पेंशनर्स के जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी। प्रदेश में 75 वर्ष से अधिक आयु पर बढ़ी हुई दर से पेंशन की सुविधा प्राप्त है।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बजट घोषणाओं पर धन्यवाद सभा को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि अब हमने 70 से 75 वर्ष के पेंशनर्स के लिए भी 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता देने की घोषणा की है। साथ ही केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 के अनुरूप एक अप्रैल के बाद कार्मिक की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर 10 वर्षों तक बढ़ी हुई दर से पारिवारिक पेंशन मिलेगी। शर्मा ने कहा कि 30 जून, 2023 को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को पेंशन गणना के लिए 1 जुलाई, 2023 से एक काल्पनिक वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ दिया जाएगा तथा भविष्य में प्रतिवर्ष 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भी यह लाभ मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि घोषणाएं समय पर पूर्ण होने से ही संबंधित वर्ग को उसका लाभ मिलता है। इसीलिए हमारी सरकार ने कर्मचारी हित में बिना विलंब किए कुछ ही महीनों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने सिर्फ चुनावों को ध्यान में रखते हुए बिना बजट प्रावधान के लुभावनी घोषणाएं की। इस अवसर पर राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष अरविंद व्यास, राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेशाध्यक्ष रमेश पुष्करणा, राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन प्रदेशाध्यक्ष रामवीर सोलंकी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी तथा पेंशनर्स उपस्थित रहे।

भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में

निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थी

एजेंसी/पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को शूटआउट में 4-2 से

हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इससे पहले यवेस-डु-मनोइर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में दोनों टीम निर्धारित समय में 1-1 की बराबरी पर रही थी। शूटआउट में भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राज पाल कुमार ने गोल दागे। वहीं ब्रिटेन के लिए जेम्स अलबेरी ने चैक वालेलेस गोल किया। अब सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला जर्मनी और अर्जेंटीना के विजेता से छह अगस्त को होगा। गोलकीपर श्रीजेश ने 11 पेनल्टी कॉर्नर रोककर भारत को जीत दिलाई। शानदार फॉर्म में चल रहे हरमनप्रीत सिंह ने 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर भारत को बढ़त दिलाई। ओलंपिक में यह उनका सातवां गोल था। वहीं ब्रिटेन के ली मॉर्टन ने दूसरे क्वार्टर के समाप्त होने से ठीक दो मिनट पहले स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

लक्ष्य ब्रॉन्ज के लिए खेलेंगे

पेरिस। बैडमिंटन मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन सेमीफाइनल मुकाबला हार गए। उन्हें सेमीफाइनल में डेनमार्क के एक्सेलसेन विक्टर ने 22-20, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 54 मिनट तक चला। लक्ष्य अब आज ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेंगे।

-देखें खेल पेज

प्री डीएलएड की प्रथम आवंटन सूची वेबसाइट पर जारी

कासं/अजमेर। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा आयोजित प्री डीएलएड परीक्षा 2024 की प्रथम आवंटन सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी है। ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें अध्यापक शिक्षण संस्थान आवंटित हुआ है, वह पोर्टल पर लॉगिन कर अपना अंतरिम आवंटन पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। समन्वयक डॉ. रवि गुप्ता ने बताया कि चयनित अभ्यर्थी वांछित दस्तावेज अपलोड कर प्रवेश की प्रथम वर्ष की शेष राशि 13 हजार 555 रुपए का 11 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन भुगतान किया जा सकेगा। अध्यापक शिक्षण संस्थानों में सोमवार से 12 अगस्त तक रिपोर्टिंग करनी होगी। रिपोर्टिंग के अभाव में प्रवेश का दावा निरस्त माना जाएगा। राज्य के 377 अध्यापक शिक्षण संस्थानों में उपलब्ध 25 हजार 970 सीटों के लिए 1 लाख 43 हजार 814 अभ्यर्थी ऑनलाइन काउंसलिंग में सम्मिलित हुए। कॉलेज प्रशासन द्वारा अभ्यर्थी के दस्तावेजों के वेरिफिकेशन के उपरान्त ही प्रवेश पूर्ण माना जाएगा।

दैनिक नवज्योति jodhpur-city - 05 Aug 2024 - Page 7

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

अधिसूचना - 01/2024

प्री.बी.पी.एड./ प्री.एम.पी.एड. परीक्षा - 2024

राजस्थान राज्य में स्थित विभिन्न शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/संस्थानों में सत्र 2024-25 हेतु बी.पी.एड. पाठ्यक्रम में सत्र 2024-25 में प्रवेश हेतु राज्य सरकार के नियमानुसार पात्र अभ्यर्थियों से वेबसाइट pbpedvmou24.com पर तथा एवं एम.पी.एड. पाठ्यक्रम में सत्र 2024-25 में प्रवेश हेतु राज्य सरकार के नियमानुसार पात्र अभ्यर्थियों से वेबसाइट pmpedvmou24.com पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थी से अपेक्षा है कि आवेदन से पूर्व उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर लेवें ।

क्र.सं.	विवरण	महत्त्वपूर्ण तिथियाँ
1.	आवेदन प्रारम्भ करने की तिथि	03.08.2024
2.	आवेदन की अंतिम तिथि	10.08.2024
3.	प्रवेश परीक्षा तिथि	08.09.2024 (रविवार)

प्रवेश परीक्षा शुल्क रुपये 1000/-

ई-मेल : - bpedmped2024@vmou.ac.in

मोबाइल नं. 8302622404

समन्वयक
प्री.बी.पी.एड./ प्री.एम.पी.एड. परीक्षा 2024
व.म.खु.वि.वि. कोटा

प्री.बीपीएड व प्री एमपीएड प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन की अन्तिम तिथि 10 अगस्त

नवज्योति/कोटा

राज्य सरकार की ओर से इस बार प्री.बी.पी.एड./ प्री.एम.पी.एड. प्रवेश परीक्षा -2024 का दायित्व वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय को मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने बताया कि हमारा मुख्य लक्ष्य विद्यार्थी हित में सुविधा प्रदान करना है। इसी को अभिलक्ष्य कर विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि प्रवेश परीक्षा किसी एक शहर में न आयोजित कर राजस्थान के सात सम्भागों (जयपुर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर अजमेर एवं भरतपुर) में आयोजित करवाई जाएगी। साथ ही छात्रों की सुविधा के लिए इस बार शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए भी राजस्थान के दो शहरों (कोटा और उदयपुर) का विकल्प उपलब्ध करवाया जा रहा है। परीक्षा समन्वयक डॉ. कपिल गौतम ने बताया कि आवेदन फॉर्म भरने की शुरूआत 3 अगस्त से हो चुकी है तथा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त रखी गई है। यह प्रवेश परीक्षा 100 अंकों की होगी। ऑनलाइन आवेदन करते समय अभ्यर्थी को प्रश्न पत्र की भाषा हिन्दी अथवा अंग्रेजी दोनों में से किसी एक भाषा का चयन करना होगा। चयनित भाषा के आधार पर ही अभ्यर्थी को हिन्दी अथवा अंग्रेजी दोनों में से किसी एक भाषा में ही प्रश्न पत्र दिया जाएगा। अभ्यर्थी को प्रश्न पत्र दोनों भाषाओं में देय नहीं होगा। यह प्रवेश परीक्षा 90 मिनट होगी। गलत उत्तर के लिए कोई नम्बर नहीं काटा जाएगा।

सह-समन्वयक डॉ. नीरज अरोडा ने बताया कि परीक्षा में राजस्थान और भारत की खेल हस्तियाँ, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, शिक्षण योग्यता मानसिक क्षमता और तर्कशक्ति, सामान्य ज्ञान (भौगोलिक, सांस्कृतिक और आर्थिक पहलू) इत्यादि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाएंगे। इस परीक्षा में प्री.बी.पी.एड. से सम्बन्धित पाठ्यक्रम आदि की जानकारी के लिए pbpedvmou24.com वेबसाइट का तथा में प्री.एम.पी.एड. से सम्बन्धित पाठ्यक्रम आदि की जानकारी के लिए ईमेल bpedmped2024 @vmou.ac.in का अवलोकन करें।

प्रदेश के 87 हजार से ज्यादा शिक्षक देंगे महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पदस्थापन के लिए परीक्षा

बाड़मेर जिले से 30 प्राचार्य, 9534 शिक्षक व अन्य सहित कुल 9564 शिक्षक देंगे परीक्षा

नवज्योति/जोधपुर

राज्य भर में 3 हजार 700 से ज्यादा राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पदस्थापन के लिए राज्य के सरकारी स्कूलों में पदस्थापित हिंदी माध्यम के शिक्षकों की चयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए राज्य भर से 87 हजार 785 शिक्षकों ने शाला दर्पण के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया है। प्रारंभिक शिक्षा विभाग के निदेशक सीताराम जाट ने इस संबंध में निर्देश जारी कर राज्य स्तर पर परीक्षा के आयोजन के लिए पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं, बीकानेर को तथा जिला स्तर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, जबकि संबंधित जिले के डाइट प्राचार्य को सह जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है। गौरतलब है कि इस परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर हो दूर दराज क्षेत्र में नियुक्त शिक्षकों, वरिष्ठ अध्यापकों, व्याख्याताओं व प्रधानाचार्य आदि को अपने गृह जिले या निकटतम महात्मा गांधी स्कूलों में पदस्थापन का मौका मिल सकेगा।

राज्य भर में सर्वाधिक आवेदन बाड़मेर से

यह परीक्षा राज्य भर में पूर्ववत 33 जिलों के आधार पर ही आयोजित की जाएगी। इसकेलिए राज्य में सर्वाधिक आवेदन 9564 बाड़मेर जिले से हुए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर 6490 आवेदन जोधपुर तथा तीसरे स्थान पर 4927 शिक्षकों ने भीलवाड़ा जिले से आवेदन किया है। राज्य भर में कुल 87 हजार 785 आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमे 1198 प्राचार्य व 86 हजार 587 शिक्षक व अन्य शामिल है।

परीक्षा केंद्र सरकारी स्कूलों में ही रहेंगे-

शिक्षा विभाग के अनुसार इस परीक्षा के लिए निर्धारित किए जाने वाले केंद्र केवल सरकारी स्कूलों में ही रहेंगे। जिला मुख्यालय पर परीक्षा केन्द्रों की समुचित व्यवस्था नहीं होने की स्थिति में निकटतम ब्लॉक मुख्यालय पर भी परीक्षा केंद्र बनाए जा सकेंगे।

इनका कहना है

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पदस्थापन के लिए चयन परीक्षा 2024 के लिए अभी विभाग ने परीक्षा तिथि घोषित नहीं की है। इस साल आवेदन अधिक संख्या में तबादले नहीं होने के कारण आए हैं। राज्य सरकार को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पदस्थापन के लिए अलग से केडर बनाकर भर्ती करनी चाहिए। हिंदी माध्यम के शिक्षकों को लगाने से हिंदी माध्यम के स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था चरमरा जाएगी।

-मोहर सिंह सलावद, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा, राजस्थान।

फर्जी मार्कशीट मामले में फरार रतलिया गिरफ्तार

आरोपी लड़ चुका है विधानसभा चुनाव

पूर्वोत्तर राज्यों में काटी फरारी

ब्यूरो/नवज्योति, उदयपुर। सूरजपोल क्षेत्र में इंस्टीट्यूट चलाकर युवकों से रुपए लेकर उन्हें फर्जी डिग्री देने के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रवीण रतलिया को जयपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी उदयपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुका है।

थानाधिकारी सुनील चारण ने बताया कि तेजशंकर पुत्र रमेशचन्द्र शर्मा निवासी गुन्दली खेड़ा चित्तौड़गढ़ ने तीन वर्ष पूर्व रिपोर्ट दी कि आरोपी प्रताप कॉलोनी कालका माता रोड निवासी प्रवीण पुत्र भंवरलाल रतलिया से उसका संपर्क जलदर्शन मार्केट आरएमवी रोड प्लेटिनम ग्रुप ऑफ एजुकेशन इंस्टीट्यूट में हुआ। मार्च 2012 में अखबार में प्लेटिनम ग्रुप ऑफ एजुकेशन का बीए डिग्री कराने का विज्ञापन देखकर दिए गए नंबरों पर संपर्क किया। उसे बीए कराने के

नाम पर 63 हजार रुपए फीस बताई गई थी। राशि लेने के बाद प्रवीण रतलिया ने अपने ऑफिस में ही परीक्षा करवा जुलाई में उसे मार्कशीट की कॉपी ईमेल से भेज दी। बाद में अपने कार्यालय में बुलाकर ऑरिजनल मार्कशीट दी, परन्तु डिग्री नहीं दी। डिग्री देने के नाम पर अलग से रुपयों की मांग की गई। डिग्री नहीं मिलने पर उसने वर्ष 2016 में वह सिक्किम स्थित यूनिवर्सिटी गया, जहां पता चला कि यूनिवर्सिटी तो बंद हो गई तथा यह बीए कोर्स कराने के लिए यूजीसी से मान्यता प्राप्त नहीं है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी रतलिया की तलाश की, लेकिन वह फरार हो गया। इस दौरान उसने पूर्वोत्तर राज्यों में अपनी फरारी काटी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि रतलिया अभी जयपुर में है तो टीम बनाकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी अपहरण, घर में घुसकर मारपीट करने के मामले विभिन्न थानों में दर्ज है।

749 रुपए जमा कराने पर15 लाख का दुर्घटना बीमा : एक माह में ही 98 लोगों ने करवाया बीमा

डाक विभागः दुर्घटना बीमा योजना बन रही मददगार

नवज्योति/कोटा

अगर आपका भी खाता डाकघर में है तो ये खबर बेहद काम की है। डाक विभाग की ओर से ऐसी योजना संचालित की जा रही है जिसके तहत दुर्घटना होने की स्थिति में बीमाधारक को आर्थिक मदद मिल सकेगी। इस योजना का नाम सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना है। डाक विभाग में 749 रुपए जमा कर कोई भी 15 लाख तक का दुर्घटना बीमा करा सकता है। योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी का खाता इंडियन पोस्टल बैंक में होना चाहिए। शहर के डाकघरों में बीते एक माह में 98 से अधिक लोगों ने इसमें अपना बीमा कराया है। इस बीमा प्लान में बीमा धारक की किसी दुर्घटना, सांप काटने, बिजली की झटका लगने, फर्श पर गिरने या कार हादसे में मृत्यु पर नामिनी को 15 लाख रुपए, स्थाई विकलांगता पर 15 लाख रुपए, बीमाधारक के आकस्मिक मृत्यु होने पर उसको अधिकतम दो बच्चे के लिए बाल शिक्षा लाभ के तहत एक लाख रुपए का लाभ दिया जाएगा।

अस्पताल में भर्ती होने पर मिलेगा खर्चा

सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना के तहत 749 रुपए प्रीमियम भरकर 15 लाख रुपए का बीमा कराया जा सकता है। आधार कार्ड और पैन कार्ड के माध्यम से इस स्कीम का लाभ उठा सकता है। इसके तहत अस्पताल में भर्ती होने पर प्रतिदिन एक हजार रुपए 30 दिन, आइपीडी के लिए 60 हजार रुपए, ओपीडी के लिए 30 हजार रुपए, जिसमें फार्मेसी, डायग्नोस्टिक और एक वर्ष में 10 शारीरिक परामर्श शामिल है। दुर्घटना में हड्डी टूटने, कोमा में जाने पर एक लाख रुपए व मौत होने पर तत्काल सहानुभूतिपूर्ण मुलाकात राशि के रुपए में 25 हजार रुपए और क्रिया कर्म के लिए 5 हजार रुपए मिलेंगे।

बीमा के लिए यह होगी उम्र

इस बीमा का लाभ लेने के लिए बीमा धारक की आयु कम से कम 18 वर्ष से अधिक 65 वर्ष तक होनी चाहिए। इसमें प्रत्येक वर्ष बीमा धारक को निर्धारित पालिसी प्रीमियम इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्यम से भुगतान करना होगा। डाक विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के खाता धारक इस स्कीम का लाभ उठा सकते है। तीन अलग-अलग श्रेणियों में 320 रुपए के साथ वार्षिक एक प्रीमियम में 5 लाख, 549 रुपए में 10 लाख और 749 में 15 लाख रुपए दुर्घटना बीमा का लाभ मिलेगा। बीमा कराने के लिए पहले दिन से कवर प्रारंभ हो जाएगा।

डाक विभाग की दुर्घटना बीमा योजना अन्य योजनाओं की तुलना में काफी सस्ती है। महंगे प्रीमियम पर इंश्योरेंस कराने में असमर्थ लोगों के लिए यह फायदेमंद है। उसने गत दिनों ही इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक में खाता खुलवा कर यह बीमा पॉलिसी ली है। इससे समय पर उपचार मिल सकेगा।

प्रकाश शाह, लाभार्थी

डाक विभाग की यह योजना आमजन के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है। मामूली कीमत में बड़ा बीमा सरकार द्वारा दिया जा रहा है। एक साल खत्म होने के बाद इस योजना में अगले साल फिर से रिन्यू कराना पड़ता है। इस बीमा का लाभ लेने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक में लाभार्थी का खाता होना अनिवार्य है।

मनीष चौरसिया, प्रधान डाकपाल, मुख्य डाकघर धानमंडी

नीट-यूजी 2024: प्रश्न पत्र की गुणवत्ता में सुधार आवश्यक

17 विद्यार्थियों का परफेक्ट स्कोर पेपर की क्वालिटी पर प्रश्न चिन्ह

67 से 17 हुई फरफेक्ट स्कोर प्राप्त विद्यार्थियों का आंकड़ा

विशेषज्ञ बोले-पेपर में एक भी गलती न हो यह कैसे संभव

नवज्योति/कोटा। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी पर उठे विवादों का सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद पटाक्षेप हो चुका है। इसके साथ ही पेपर की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे हैं।

विशेषज्ञों का तर्क है कि नीट-यूजी के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब 17 विद्यार्थियों के एक साथ 720 में से 720 अंक आए हैं। जबकि, इससे पहले कुछ एक ही विद्यार्थी ही परफेक्ट स्कोर अर्जित कर पाते थे। इससे स्पष्ट होता है कि पेपर का स्तर या तो समान्य रहा या फिर खामियां रहीं।

एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि नीट-यूजी-2024 का जब पहली बार रिजल्ट जारी हुआ तो 67 विद्यार्थियों ने परफेक्ट स्कोर प्राप्त किया था। जिस पर विवाद खड़ा हुआ तो एनटीए ने बोनस अंक हटा दिए। इससे परफेक्ट स्कोर के आंकड़े में कमी हो गई। फिर, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर री-नीट एग्जाम हुए, जब परिणाम आया तो परपेक्ट स्कोर अर्जित करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 67 में से 17 ही रह गई। उन्होंने कहा कि इतने विद्यार्थियों के परफेक्ट स्कोर प्रश्न पत्र की गुणवत्ता पर सवाल उठाता है।

सभी प्रश्नों के जवाब आना समझ से परे

नीट-यूजी,2024 में 17 विद्यार्थियों द्वारा परफेक्ट स्कोर 720 में से 720 प्राप्त करना प्रश्न पत्र की गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह लगता है। फिजिक्स,केमिस्ट्री,बॉटनी तथा जूलॉजी चारों विषयों के प्रश्न पत्रों में कोई भी प्रश्न ऐसा नहीं था जो विद्यार्थी की समझ से परे हो, विद्यार्थी कोई तार्किक व गणना संबंधी भूल कर सके? सभी प्रश्नों के सटीक जवाब विद्यार्थियों को आना समझ से परे हैं। प्रश्नों को निश्चित समय में हल करने का उन्हें अभ्यास हो सकता है लेकिन पेपर में नवाचार नहीं था, तभी यह संभव हो सका।

फिजिक्स के प्रश्न से उजपा विवाद

शर्मा ने बताया कि फिजिक्स विषय के जिस प्रश्न से विवाद उत्पन्न हुआ उसके उत्तर को पहली दफा विद्यार्थियों की आपत्तियों के कारण एजेंसी की विषय-विशेषज्ञ समिति ने परिवर्तित किया और फिर सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार आईआईटी-दिल्ली के विषय-विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में फिर से इसे परिवर्तित किया गया था। ज्ञात रहे कि इस विवाद की जड़ पुरानी और नई एनसीईआरटी-किताबों में लिखे गए अलग-अलग तथ्य रहे हैं। इस तरह के प्रश्न पेपर में होना बडी शैक्षणिक चूक है। उन्होंने बताया कि नीट-यूजी,2024 के सभी विषयों के प्रश्न नॉलेज-बेस्ड थे। एप्लीकेशन ऑफ नॉलेज बेस्ड तथा क्रिटिकल थिंकिंग बेस्ड प्रश्नों की संख्या लगभग नगण्य थी।

बौद्धिक-क्षमता की परख जरूरी

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी का प्रश्न नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-एनईपी,2020 की भावना के अनुरूप होना आवश्यक है। एनईपी-2020 का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय वस्तु को रटने की प्रवृत्ति पर रोक लगाना है। विद्यार्थियों विषय वस्तु को समझे और उस समझ का उपयोग करने की क्षमता उत्पन्न करें यही एनईपी-2020 का उद्देश्य है। प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन का मुख्य उद्देश्य क्षमतावान विद्यार्थियों की परख करना है अतः इस हेतु प्रश्न पत्र का गुणवत्ता पूर्ण होना आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण प्रश्नपत्र सिलेबस आधारित तथा त्रुटिहीन होता है तथा इसमें नॉलेज बेस्ड तथा एप्लीकेशन आफ नॉलेज बेस्ड,क्रिटिकल-थिंकिंग बेस्ड प्रश्नों का बेहतरीन समावेश होता है।

शोध अध्येता पद पर 8.26 और शोध अधिकारी के लिए 5.96 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

पुरालेखपाल, सहायक पुरालेखपाल, शोध अध्येता, शोध अधिकारी व रसायनज्ञ प्रतियोगी परीक्षा-2024

कासं/अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से पुरालेखपाल, सहायक पुरालेखपाल, शोध अध्येता, शोध अधिकारी व रसायनज्ञ प्रतियोगी परीक्षा-2024 के तहत रविवार को पहली पारी में शोध अध्येता व शोध अधिकारी के एक-एक पदों के लिए दो पारी में परीक्षा आयोजित की गई। पहली पारी में शोध अध्येता के पद की परीक्षा में 8.26 प्रतिशत और दूसरी पारी में शोध अधिकारी के पद की परीक्षा के लिए 5.96 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए।

शोध अध्येता के 1 पद के लिए परीक्षा 4 केंद्रों पर प्रातः 10 से 12.30 बजे की पारी में परीक्षा हुई। परीक्षा के लिए कुल पंजीकृत 944 अभ्यर्थियों में से 78 अभ्यर्थियों से परीक्षा दी। जबकि 866 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। पहली पारी में उपस्थिति 8.26 प्रतिशत रही। इसी तरह शोध अधिकारी के 1 पद के लिए दोपहर 3 से 5.30 बजे तक 6 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई। कुल पंजीकृत 1427 अभ्यर्थियों में से महज 85 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। जबकि 1342 अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। दूसरी पारी में उपस्थिति 5.96 प्रतिशत रही।

एक केन्द्र पर परीक्षा देकर बाहर आते अभ्यर्थी।

रसायनज्ञ के 1 पद के लिए परीक्षा आज

इस परीक्षा के रसायनज्ञ के 1 पद के लिए परीक्षा का आयोजन सोमवार प्रातः 10 से 12.30 बजे तक 5 केंद्रों पर किया जाएगा। इसके साथ ही यह परीक्षा सम्पन्न हो जाएगी। प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक दर्ज कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन एप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश-पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है। परीक्षा केन्द्र पर किसी भी परीक्षार्थी को प्रत्येक परीक्षा के प्रारंभ होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को पहचान के लिए परीक्षा केंद्र पर मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) लेकर उपस्थित होना होगा। यदि मूल आधार कार्ड पर फोटो पुरानी अथवा अस्पष्ट है तो अन्य मूल फोटो पहचान-पत्र जैसे मतदाता पहचान-पत्र, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस जिसमें रंगीन एवं नवीनतम स्पष्ट फोटो हो, लेकर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होना है। इसके साथ ही अभ्यर्थी प्रवेश-पत्र पर भी नवीनतम रंगीन फोटो ही चस्पा करें।

दैनिक भास्कर

जयपुर 05-08-2024

सहकारी बैंकों में 635 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन, प्रमोशन की उठी मांग

भास्कर न्यूज | जयपुर

प्रदेश के राज्य सहकारी बैंक लि. व केंद्रीय सहकारी बैंक में 635 पद रिक्त है। इन पदों पर भर्ती के लिए कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इसमें राजस्थान राज्य सहकारी बैंक (जयपुर) में 28 पद और केंद्रीय सहकारी बैंक में 607 पद खाली है। सहकारी बैंकों में पिछले तीन साल में कोई भर्ती नहीं की गई है। विधायक श्रीचंद कृपलानी के सवाल पर सहकारिता विभाग ने यह जवाब दिया है। प्रदेश के अपेक्स बैंक व केंद्रीय सहकारी बैंक की भर्ती राजस्थान को-ऑपरेटिव रिक्रूटमेंट बोर्ड द्वारा की जाती है। बैंकों में कर्मचारी, कैशियर व प्रबंधकों के पद खाली रहने से बैंकिंग कार्य प्रभावित हो रहा है। कर्मचारी संगठनों की ओर से लम्बे समय से साकारी बैंकों में नई भर्ती और मौजूदा बैंक कर्मियों के प्रमोशन व वेतनमान देने की मांग उठाई जा रही है।

दैनिक भास्कर

अजमेर 05-08-2024

भास्कर खास • शोध अध्येता और शोध अधिकारी के 1-1 पद के लिए हुई परीक्षा

आरपीएससी की दो परीक्षाओं में केंद्रों पर परीक्षा देने वाले कम-लेने वाले ज्यादा, 163 अभ्यर्थी, 250 शिक्षक

अजमेर | आरपीएससी की शोध अध्येता और शोध अधिकारी के 1-1 पद के लिए हुई परीक्षाओं में परीक्षा देने वाले कम लेने वाले ज्यादा नजर आए। उपस्थिति 5 से 8% ही रही। औसतन 240 अभ्यर्थी एक सेंटर पर बुलाए गए थे। केंद्र पर 24 अभ्यर्थियों के हिसाब से 10 कमरों की व्यवस्था की गई। एक कमरे में 2 के हिसाब से 10 कमरों में कुल 20 इनविजिलेटर लगाए थे। हाल ये था कि किसी में कमरे में एक, किसी में दो या किसी में तीन ही अभ्यर्थी परीक्षा देने आए। शेष सीटें खाली नजर आईं। एक परीक्षार्थी के लिए भी दो इनविजीलेटर भी निगरानी कर रहे थे। केंद्राधीक्षक, क्लेरिकल स्टाफ, चतुर्थ श्रेणी कार्मिक अलग थे।

पद कम तो अभ्यर्थी भी कम | एक्सपर्ट एसएस लांबा ने कहा कि आमतौर पर 10 से कम पद वाली भर्तियों में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 10% से कम रहती है। आज की परीक्षा में भी एक-एक पद था। बहुत सारे अभ्यर्थी पदों की संख्या को देखते हुए परीक्षा देने नहीं आते ही नहीं हैं।

शोध अधिकारी के 1 पद के लिए शहर के 6 केंद्र

स्कूल	कुल	अनुपस्थित	उपस्थित
सेंट्रल गर्ल्स स्कूल	240	229	11
मॉडल स्कूल	240	223	17
तोपदड़ा	240	220	20
एमजी पुलिस लाइन	240	228	12
एमजी श्रीनगर रोड	240	226	14
सावित्री स्कूल	227	216	11
कुल	1427	1342	85

शोध अध्येता के 1 पद के लिए 944 ने फॉर्म भरे

स्कूल	कुल	अनुपस्थित	उपस्थित
मॉडल स्कूल	240	219	21
तोपदड़ा	240	218	22
महात्मा गांधी स्कूल	240	225	15
सावित्री	224	204	20
कुल	944	866	78

आज भी एक पद के लिए परीक्षा | सोमवार को रसायनज्ञ के 1 पद के लिए परीक्षा होगी।

दैनिक भास्कर
फतेहपुर भास्कर 05-08-2024

15 लाख से 1 करोड़ तक का सहयोग करने वाले को शिक्षा भूषण सम्मान

शिक्षा विभाग ने शिक्षा भूषण व शिक्षाश्री सम्मान के प्रावधानों में किया बदलाव

भास्कर संवाददाता | सीकर

भामाशाह सम्मान के लिए बने नियमों को लेकर शिक्षा विभाग ने यू-टर्न लिया है। विभाग ने शिक्षा भूषण सम्मान के लिए सहयोग राशि 30 लाख से घटाकर 15 लाख और शिक्षा श्री सम्मान के लिए 5 लाख से घटाकर 1 लाख रुपए की है।

अब 15 लाख से 1 करोड़ तक का सहयोग करने वाले भामाशाहों को राज्य स्तर पर शिक्षा भूषण और 1 लाख से 15 लाख तक का सहयोग करने वाले को जिला स्तर पर शिक्षा श्री सम्मान प्रदान किया जाएगा। इससे पहले कोरोना काल में सरकार ने इसमें बदलाव कर दिया था। तब 30 लाख से 1 करोड़ तक का सहयोग करने वाले भामाशाहों को राज्य स्तर पर शिक्षा भूषण और 5 लाख से 30 लाख तक का सहयोग करने वाले को जिला स्तर पर शिक्षा श्री सम्मान देने का नियम लागू किया था। कोरोना काल में भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन नहीं हो सका था।

इसके बाद सरकार ने एक साथ 3 वर्षों का सम्मान समारोह आयोजित किया था। भामाशाहों की संख्या को कम रखने के लिए तब इसके नियमों में बदलाव कर दिया गया था। इससे कई भामाशाह अब राज्य स्तर पर सम्मानित हो सकेंगे। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट का कहना है कि राज्य स्तरीय शिक्षा विभूषण सम्मान के प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह सम्मान 1 करोड़ रुपए से अधिक का सहयोग करने वाले को मिलेगा। राज्य स्तरीय शिक्षा भूषण और जिला स्तरीय शिक्षा श्री सम्मान के प्रावधानों को पहले की भांति रखने की सहमति मिली है। इसमें शिक्षा भूषण 15 लाख से 1 करोड़ रुपए का सहयोग देने वाले और शिक्षा श्री 1 लाख से 15 लाख रुपए तक का सहयोग देने वाले को दिया जाएगा।

संस्कृत विश्वविद्यालय; प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 18 तक

सीकर | जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि 18 अगस्त तक बढ़ा दी है। प्रवक्ता शास्त्री कोसलेंद्रदास के अनुसार बीए-एमए के अलावा वेद एवं पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, जैन दर्शन और विशिष्टा द्वैत वेदांत में आवेदन करने का विकल्प विद्यार्थियों के पास है। योग विज्ञान विषय में बीए व एमए कक्षाओं के अतिरिक्त योग, ज्योतिष एवं कर्मकांड और पीजीडीसीए जैसे डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भी विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। बीए और एमए में संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, शिक्षा, दर्शन शास्त्र के अतिरिक्त संगीत और हिंदू अध्ययन विषय में भी आवेदन कर सकते है।

दैनिक भास्कर
बांसवाड़ा जिला 05-08-2024

शिक्षक भर्ती परीक्षा• 5 साल में नौकरी पाने वाले कर्मचारियों की जांच का मामला

दस्तावेजों की जांच का प्रमाण-पत्र देने के आदेश के विरोध में संस्थाप्रधान मुखर

भास्कर संवाददाता | बांसवाड़ा

शिक्षक भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़े के मामले सामने आने के बाद राज्य सरकार की ओर से शिक्षा विभाग में पिछले 5 साल में नौकरी पाने वाले कार्मिकों की जांच की जा रही है। जांच में स्कूलों के संस्थाप्रधानों के सामने परेशानी खड़ी हो गई है। इसमें संस्थाप्रधान से जांच सही होने का प्रमाण पत्र मांगा है। संस्थाप्रधानों ने इसे गलत ठहराते हुए कहा है कि नियुक्ति से पहले इनके दस्तावेजों की 3 से 4 बार जांच हो चुकी है। जब उच्च अधिकारी जांच कर चुके हैं तो इस जांच को कनिष्ठ वर्ग किस तरह आपत्ति जता सकता है। संस्थाप्रधानों से जांच का प्रमाण पत्र मांगना एक तरह से जांच के नाम पर खानापूर्ति है। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने भी इसका विरोध करते हुए कहा कि अगर किसी ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र, खेल प्रमाण पत्र फर्जी लगाया है तो उसकी जांच संस्थाप्रधान कैसे करेगा? नियुक्ति उच्च अधिकारियों ने दी, उनके काम का प्रमाण पत्र जूनियर कैसे दे सकते हैं?

राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के प्रदेश प्रशासनिक अध्यक्ष सियाराम शर्मा ने बताया कि राजस्थान में भर्ती एजेंसी द्वारा जांच करा कर शिक्षा निदेशालय बीकानेर को भर्ती से संबंधित सभी दस्तावेज भेजे जाते हैं। बीकानेर में निष्पक्ष जांच के बाद उन्हें जिला आवंटन किया जाता है। इसके बाद जिला स्तर पर फिर से दस्तावेजों की जांच कर उन्हें स्कूल आवंटित की जाती है। स्कूल में विभिन्न शपथ पत्र लिखा कर उन्हें कार्यग्रहण कराया जाता है लेकिन वर्तमान जांच में संस्थाप्रधान से जांच सही होने का प्रमाण पत्र मांगा है। जो विधि विरूद्ध है। क्योंकि फर्जीवाड़े की जांच में अभी तक के समस्त प्रकरणों में संस्थाप्रधान की कोई भूमिका नहीं रही। संघ के मुख्य महामंत्री नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि विभाग ने परीक्षा देने वाला और नौकरी करने वाला लोक सेवक दोनों एक ही व्यक्ति होने की जांच के निर्देश दिए हैं। अब संस्थाप्रधानों के पास ऐसा कोई माध्यम या पैमाना नहीं है, जिसके जरिए वे यह पहचान कर सकें कि परीक्षा देने व नौकरी करने वाला एक ही व्यक्ति है। यही नहीं डमी अभ्यर्थी बैठाकर पास करने और नकल के जरिए पास होने वालों की पहचान करना भी संस्था प्रधानों के आगे मुश्किल साबित हो रहा है। ऐसे में डमी परीक्षा दिलवाने वाले वीक्षक, पर्यवेक्षक, केंद्राध्यक्ष की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

दस्तावेजों की जांच टीम में शामिल डीईओ भी फर्जीवाड़े के दोषी

जिला स्तर पर दस्तावेजों की समस्त निरीक्षण टीम मय जिला शिक्षा अधिकारी ही फर्जीवाड़े मामले में दोषी है।

बांसवाड़ा जिले में 5 साल की हर भर्ती में जांच टीम में एक ही प्रकार के अधिकारी नियुक्त किए हैं, जिन्हें गिरोह कहना उचित होगा। बांसवाड़ा जिले की सूक्ष्मता से निरीक्षण किया जाए तो एक दो अधिकारी ही सूची में परिवर्तित होंगे। बाकी सभी जांच टीम में शामिल अधिकारी समान ही होंगे। शर्मा ने समस्त जांच टीम के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाकर सेवा समाप्ति की कार्रवाई करने की कहा है।

दैनिक भास्कर

चुरू 05-08-2024

भास्कर खास • 10000+ नामांकन, फिर भी शिक्षकों का अलग कैडर नहीं बनाया

जिले में 119 इंग्लिश मीडियम स्कूल; न भवन बनाए, न पद स्वीकृत किए, शिक्षकों के 733 पद खाली

भास्कर संवाददाता | चूरू

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जिले में शुरू हुए महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की संख्या 119 तक पहुंच गई है। इन स्कूलों का नामांकन भी 10 हजार के पार चला गया है। पिछले साल भी करीब इतना ही था, लेकिन सरकारी क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने के बावजूद विभाग न तो इन स्कूलों के लिए सरकार व विभाग भवन बना पाए हैं। किसी भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में भवन बनाने का बजट जारी नहीं किया गया।

इन स्कूलों के लिए अलग से कोई पद स्वीकृत करके नई नियुक्तियां नहीं की गई। हिंदी माध्यम स्कूलों से उधारी में आए शिक्षक ही इन स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। जिले के इन स्कूलों में शिक्षकों के 733 पद रिक्त हैं। पिछले साल मामूली बदलाव ये किया कि अब हिंदी से अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में आने वाले शिक्षकों का टेस्ट होगा और उसके बाद उनकी नियुक्ति होगी। नए पदों की स्वीकृति माने तो केवल 72 एनटीटी शिक्षक (नर्सरी ट्रेनिंग टीचर) लगाए गए हैं। अन्य सभी कार्यरत प्रधानाचार्य से लेकर शिक्षक तक पद हिंदी माध्यम स्कूलों से लेकर भरे गए हैं। शिक्षक लेवल-1 एवं 2 के 145 संविदा पर शिक्षक लगे हुए हैं।

प्रिंसिपल के 30 पर रिक्त : जिले में 119 में 63 प्राथमिक और 56 माध्यमिक स्तर के अंग्रेजी माध्यम स्कूल हैं। इनमें प्रधानाचार्य के 56 में से 30 पद खाली हैं। प्राध्यापक के पदों का तो स्कूलों को पता ही नहीं है। इसका कारण ये है कि ऐच्छिक विषय के हिसाब से पदों की स्वीकृति स्कूलों में अभी तक नहीं हो पाई है। सीनियर टीचर के 350 में से 211 पद खाली हैं। एल-1 एवं एल-2 सहित शिक्षकों के 1357 में से 522 पद खाली हैं। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 357 में से 205 पद खाली हैं।

हिंदी माध्यम के शिक्षक ही अंग्रेजी स्कूल में पढ़ा रहे

राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा के प्रदेश प्रवक्ता बसंत कुमार ज्याणी का कहना है कि अंग्रेजी माध्यम स्कूल में नया कुछ नहीं है। केवल हिंदी से अंग्रेजी माध्यम स्कूल नाम परिवर्तन कर दिया। नए सिरे से कोई स्कूल नहीं खोला गया। नए पद भी स्वीकृत नहीं हुए। हिंदी स्कूल से आए शिक्षक ही पढ़ा रहे हैं और अंग्रेजी माध्यम का अलग कैडर बनाकर कोई शिक्षकों की भर्ती भी नहीं की गई है। इन स्कूलों में कार्यरत 100 से ज्यादा शिक्षक व कार्मिक ऐसे हैं, जो काम तो अंग्रेजी माध्यम स्कूल में कर रहे हैं, लेकिन उनका वेतन मूल पदस्थापित हिंदी माध्यम स्कूलों से हो रहा है।

जिले में 119 अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हो रहे हैं, लेकिन किसी स्कूल के लिए अलग से जमीन अलॉट नहीं हुई और न ही भवन के लिए बजट जारी किया है। पद भी हिंदी माध्यम से ही दिए गए हैं। अब दो साल से नए आने वाले शिक्षकों के लिए परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। हो सकता है आने वाले समय में राज्य सरकार एवं विभाग अलग कैडर तय कर दें।

–गोविंदसिंह राठौड़, डीईओ मा.

दैनिक भास्कर
चुरू 05-08-2024

आईबीपीएस; पीओ के 4455 पदों पर भर्ती, 21 तक कर सकेंगे आवेदन

भास्कर संवाददाता | चूरू

इंस्टिट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनेल सिलेक्शन (आईबीपीएस) ने देश के 11 सरकारी बैंकों में पीओ की भर्ती के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। भर्ती के लिए 21 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। एससी, एसटी व पीडब्ल्यूबीडी वर्ग के अभ्यर्थियों को 175 रुपए आवेदन शुल्क देना होगा। ओबीसी व सामान्य वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 850 रुपए तय किया है। योग्यता स्नातक तय की गई है। 20 से 30 वर्ष तक की आयु के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। अधिकतम आयु में नियमानुसार छूट दी जाएगी।

नेशनल यूथ अवॉर्डी सुधेश पूनिया ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी www.ibps.in पर आवेदन कर सकते हैं। आवेदनकर्ता को स्कैन सिग्नेचर, फोटो और एक अंडरटेकिंग अपलोड करनी होती है। फीस का भुगतान नेट बैंकिंग, एटीएम, क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं। ई-मित्र पर भी आवेदन कर सकते हैं। भर्ती के तहत प्री एग्जाम 19 व 20 अक्टूबर तथा मेन्स एग्जाम 30 नवंबर को होगा। जनवरी 2025 में इंटरव्यू तथा अंतिम परिणाम एक अप्रैल 2025 को जारी किया जाएगा।

सुरक्षा जवान व सुपरवाइजर की भर्ती के लिए आज से शिविर

चूरू | सुरक्षा जवान व सुरक्षा सुपरवाइजर की भर्ती के लिए जिला मुख्यालय तथा पंचायत समिति स्तर पर 5 से 12 अगस्त तक भर्ती शिविर लगाए जाएंगे। एसआईएस के भर्ती अधिकारी प्रताप सेवदा ने बताया कि 5 अगस्त को सरदारशहर पंचायत समिति, 6 को रतनगढ़, 7 को सुजानगढ़, 8 को बीदासर, 9 को राजगढ़, 10 को तारानगर व 12 अगस्त को चूरू पंचायत समिति में शिविर लगेगा। चयनित अभ्यर्थियों को एक महीने के प्रशिक्षण के बाद 65 वर्ष की आयु तक स्थाई नौकरी का अवसर मिलेगा।

ट्रेनिंग प्रभारी राकेश चौधरी ने बताया कि पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, मेडिकल इंश्योरेंस आदि का लाभ भी मिलेगा। चयनित उम्मीदवारों को केंद्र व राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों में ड्यूटी दी जाएगी। सुरक्षा जवान का मासिक वेतन 14 से 22 हजार, सुरक्षा सुपरवाइजर का 16 से 26 हजार तक होगा। शिविर सुबह 10 बजे से 3 बजे तक होंगे।

दैनिक भास्कर

अजमेर 05-08-2024

महात्मा गांधी व अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 87 हजार ने आवेदन किए

प्रिंसिपल, प्राध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक, पीटीआई लिए जाएंगे

अजमेर | अजमेर सहित राज्य में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में चयन के लिए रिक्त पदों नियुक्ति के लिए प्रदेश के 87 हजार शिक्षकों ने आवेदन किए हैं। इन पदों के लिए अब शीघ्र ही लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर ने महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, स्वामी विवेकानंद राजकीय आदर्श विद्यालय और अन्य सभी राजकीय अंग्रेजी मीडियम स्कूलों में रिक्त पदों के लिए आवेदन मांगे थे। 25 जुलाई अंतिम तिथि थी। इन स्कूलों में प्रिंसिपल, विभिन्न विषयों के प्राध्यापक, वरिष्ठ अध्यापक, लाइब्रेरियन ग्रेड सैकंड, वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक, विभिन्न विषयों में अध्यापक लेवल सैकंड, अध्यापक लेवल वन, पीटीआई, कंप्यूटर शिक्षक, लाइब्रेरियन ग्रेड थर्ड और प्रयोगशाला सहायक के पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे। शिक्षा मंत्री के ओएसडी सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि 87 हजार से अधिक टीचर्स के आवेदन मिले हैं। इन सभी आवेदकों से पदस्थापन के लिए जिलों का विकल्प भी लिया गया है। अब आवेदक लिखित परीक्षा की तिथि का इंतजार कर रहे हैं।

जयपुर 05-08-2024

जॉब कॉर्नर

आरआरबी
पदः जूनियर इंजीनियर व अन्य
पद संख्याः 7951
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 29 अगस्त 2024
www.rrbapply.gov.in

आईबीपीएस
पदः आईटी ऑफिसर व अन्य
पद संख्याः 896
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 21 अगस्त 2024
www.ibps.in.

आरबीआई
पदः ऑफिसर
पद संख्याः 94
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 16 अगस्त 2024
www.rbi.org.in/

एचपीएससी
पदः पीजीटी
पद संख्याः 3069
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 14 अगस्त 2024
hpsc.gov.in/en-us/

नाबार्ड
पदः असि. मैनेजर
पद संख्याः 102
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 15 अगस्त 2024
www.nabard.org

जेपीएससी
पदः फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर व अन्य
पद संख्याः 248
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 10 अगस्त 2024
www.jpsc.gov.in.

आईओसीएल
पदः नॉन एग्जीक्यूटिव
पद संख्याः 467
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 21 अगस्त 2024
iocl.com

एसएससी
पदः स्टेनोग्राफर
पद संख्याः 2006
आवेदनः ऑनलाइन
अंतिम तिथिः 17 अगस्त 2024
https://ssc.gov.in/

▪ कंटेंट : ईशा सिंह ▪ प्रतिक्रियाओं व सुझावों के लिए ईमेल करें- yougle@dbcorp.in

करिअर ऑप्शन स्लीप डिसऑर्डर के बढ़ते मामलों से बढ़ी सोम्नोलॉजिस्ट की मांग

मेडिकल के छात्र पीजी के बाद कर सकते हैं सोम्नोलॉजी व पोडिएट्री जैसे स्पेशलाइजेशन

अब सिर्फ एमबीबीएस करना ही पर्याप्त नहीं है। देश में स्पेशलाइज्ड डॉक्टर्स की मांग बढ़ रही है। मेडिकल छात्रों के पास पीजी के बाद कई तरह के स्पेशलाइजेशन के विकल्प मौजूद हैं। इनमें सोम्नोलॉजी अहम है। देश में स्लीप डिसऑर्डर (नींद से संबंधित बीमारियां) के कई मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में स्लीप मेडिसिन एक्सपर्ट्स की मांग बढ़ रही है। साइंटिफिक जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक देश की 83.4% जनता किसी एक प्रकार के स्लीप डिसऑर्डर से जूझ रही है। सोम्नोलॉजिस्ट, स्लीप मेडिसिन स्पेशलिस्ट होते हैं जो नींद से संबंधित बीमारियों को ठीक करते हैं। इसके लिए एमबीबीएस के बाद पीजी करना होता है। पीजी में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त कॉलेज से जनरल मेडिसिन या रेसपिरेटरी मेडिसिन में एमडी कर सकते हैं। स्पेशलाइजेशन के लिए आपको पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन में डीएम (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) करना होता है। यह 3 साल का कोर्स है। एम्स दिल्ली, एम्स भुवनेश्वर व एम्स जोधपुर में ये कोर्स उपलब्ध है। स्लीप मेडिसिन में सर्टिफिकेट कोर्सेज उपलब्ध हैं। ये कोर्स फिजिशियन्स व हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स कर सकते हैं।

ईएनटी स्पेशलिस्ट से अलग होते हैं ऑडियोलॉजिस्ट

ऑडियोलॉजिस्ट भी अच्छा मेडिकल स्पेशलाइजेशन है। ये वे टेक्नीशियन्स होते हैं जो सुनने की क्षमता से संबंधित बीमारियों को ठीक करते हैं। ये कान की सर्जरी नहीं करते हैं। ये ईएनटी स्पेशलिस्ट से अलग होते हैं। इसके लिए ऑडियोलॉजी और स्पीच लैंग्वेज में यूजी कर सकते हैं, फिर मास्टर्स डिग्री का भी विकल्प है। ऑडियोलॉजी में बीएससी और एमएससी की डिग्री भी की जा सकती है। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा भी किया जा सकता है। जिपमेर, वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, एसआरएम यूनिवर्सिटी और कोटा स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज सहित अन्य संस्थान इसका कोर्स कराते हैं।

स्पोर्ट्स मेडिसिन के एरिया में पोडिएट्रिस्ट के लिए है अच्छा स्कोप

पोडिएट्रिस्ट वे स्पेशलाइज्ड डॉक्टर्स होते हैं जो पैरों से संबंधित बीमारियों को दूर करते हैं इसलिए इन्हें फुट डॉक्टर्स भी कहा जाता है। पोडिएट्रिस्ट के लिए स्पोर्ट्स मेडिसिन में भी अवसर हैं। एमबीबीएस के बाद स्पेशलाइजेशन के लिए डॉक्टर ऑफ पोडिएट्रिक मेडिसिन की पढ़ाई कर सकते हैं। जामिया हमदर्द, एम्स दिल्ली, बीएचयू समेत अन्य कॉलेजों में ये कोर्स उपलब्ध है।

होम्योपैथिक और आयुर्वेद के छात्र भी कर सकते हैं ऑस्टियोपैथ का कोर्स

ऑस्टियोपैथ वे स्पेशलिस्ट होते हैं जो शरीर की मांसपेशियों से संबंधित बीमारियों को ठीक करते हैं। ये कमर दर्द या स्पोर्ट्स इंजरी जैसी समस्याओं का इलाज करते हैं। ये स्पेशलाइजेशन एमबीबीएस स्टूडेंट्स के अलावा होम्योपैथिक और आयुर्वेद के छात्र भी कर सकते हैं। बता दें कि ज्यादातर फिजियोथेरेपी के छात्र यह कोर्स करते हैं।

वर्कप्लेस गाइड तीन प्रकार के संवाद को करें अपने रूटीन में शामिल

बेहतर टीमवर्क के लिए अपनाएं सुपरकम्युनिकेशन

सभी सफल लोगों में एक चीज सामान्य होती है, वो है कम्यूनिकेशन। वे अपनी बात रखना और दूसरों की बात सुनना जानते हैं। ऐसे में एक्सपर्ट्स सफलता के लिए कम्युनिकेशन को जरूरी मानते हैं। इतना ही नहीं, एक्सपर्ट्स, सुपरकम्युनिकेटर बनने की भी सलाह देते हैं। इससे लीडरशिप के अलावा प्रोडक्टिविटी भी बेहतर होती है। लेखक चार्ल्स डहिग अपनी किताब सुपरकम्यूनिकेटर्स में लिखते हैं कि सुपरकम्युनिकेटर वो होता है जो सही सवाल करना जानता हो साथ ही दूसरों की भी सुनना जानता हो। ऐसे लोग किसी से भी आसानी से कनेक्ट हो सकते हैं। सुपरकम्युनिकेशन को समझने से पहले हमें कम्युनिकेशन के विभिन्न प्रकारों को समझना होगा। इसके तीन

प्रकार होते हैं। पहला है प्रैक्टिकल डिस्कशन जिसमें आप फ्रेमवर्क तैयार करते हैं और समस्याओं को सुलझाने का काम करते हैं। दूसरा है इमोशनल कॉन्वरसेशन यानी इसमें आप कुछ सुलझाते नहीं हैं बल्कि अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं। तीसरा है सोशल कॉन्वरसेशन जिसमें आप समाज के साथ बातचीत करते हैं। इससे दूसरों के साथ बेहतर संबंध बन सकते हैं।

एक बार में एक ही तरह का करें संवाद

एक बार में तीन तरह का संवाद करने से आप बेहतर कम्यूनिकेशन नहीं कर पाएंगे। उदाहरण के लिए आपका दिन ऑफिस में अच्छा नहीं गया है और इसकी शिकायत आप अपने साथी से करते हैं। लेकिन वे आपको अपने बॉस को थोड़ा बेहतर जानने के लिए कहते हैं। यहां आप इमोशनल कॉन्वरसेशन कर रहे हैं लेकिन आपका साथी आपसे प्रैक्टिकल कॉन्वरसेशन कर रहा है।

साधारण की जगह करें जरूरी सवाल

एक बार में एक ही तरह का संवाद करना ही सुपरकम्युनिकेशन कहलाता है। सुपर कम्युनिकेटर्स के पास डीप क्वेश्चन्स पूछने में महारत होती है। इसमें वे लोगों के अनुभव व उनके विचार के बारे में पूछते हैं। जैसे आप कहां रहते हैं? ये पूछने के बजाय पूछें कि आप अपनी कॉलोनी के बारे में क्या पसंद करते हैं? सुपरकम्युनिकेशन से दो लोगों के बीच भरोसा भी विकसित होता है।

लर्निंग इन पिक्चर

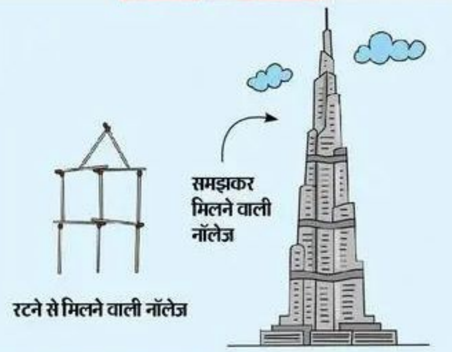

बार-बार रटने से हासिल होने वाली नॉलेज आपको वो परिणाम नहीं देगी जो आपको अनुभव के आधार पर मिलती है। जब आप ग्राउंड पर सीख कर काम करते हैं तो वह नॉलेज स्पष्ट और उपयोगी होती है।

दैनिक भास्कर अजमेर 05-08-2024

आयोग सचिव ने पूछा क्या-क्या सुधार चाहते हैं

अभ्यर्थियों ने कहा-मोबाइल पर भी दें रिजल्ट की जानकारी

परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों से फीडबैक लेते आरपीएससी सचिव।

एजुकेशन रिपोर्टर | अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग के अधिकारी भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से सुधार के लिए फीडबैक ले रहे हैं। आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने पुरा लेखपाल भर्ती परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों से फीड बैक लिया। उन्होंने ऐसे अभ्यर्थियों को फीडबैक के लिए चुना जो कम से कम 4 या 5 बार आयोग की परीक्षाओं में शामिल हुए हों। उन्होंने सुझावों को नोट कर इन पर अमल करने की बात भी कही।

मेहता पुलिस लाइन स्थित राजकीय स्कूल में बनाए परीक्षा सेंटर पर पहुंचे तथा आईडी सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की। इसके बाद अभ्यर्थियों से पूछा आरपीएससी में किस तरह के बदलाव चाहते हैं? इस पर नागौर से आए एक अभ्यर्थी ने कहा कि परीक्षाएं एक दो शहरों में कराने के बजाय संभाग स्तर पर कराई जानी चाहिए। ऐसा होने से दूर से आने वाले अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी। एक अभ्यर्थी ने कहा कि नकल रोकने, पेपर चोरी होने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं ताकि पात्र अभ्यर्थियों को बाद में इंतजार न करना पड़े। एक अभ्यर्थी कहा आरपीएससी जो रिजल्ट जारी करती है उसकी जानकारी अभ्यर्थियों को नहीं मिलती, आयोग के पास सभी अभ्यर्थियों के नंबर होते हैं। जो अभ्यर्थी चयनित हों उन्हें मैसेज से भी सूचना दी जानी चाहिए। इस सुझाव को सचिव ने बेहतर बताया और इस पर अमल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि आगामी कंप्यूटर प्रोग्राम परीक्षा से थंब इम्प्रेशन अतिरिक्त रूप से किया जाएगा।

फीड बैक का क्या करेंगे

आयोग सचिव के मुताबिक विभिन्न परीक्षाओं के दौरान ऐसे फीडबैक ले रहे हैं। जिससे आयोग में नवाचार करने, व्यवस्था चाक-चौबंद करने सहित अन्य सुविधाएं मुहैया कराने में मदद मिले। इन सुझावों को आयोग के अन्य अधिकारियों, सदस्यों के सामने रख कर बेस्ट सुझावों पर अमल किया जाएगा।

डमी कैंडिडेट बिठाकर शिक्षक बनने वाला आरोपी गिरफ्तार, प्रवेश पत्र में दूसरे का फोटो लगा मिला

इसी आरोपी ने दो भर्ती परीक्षाओं में बिठाए थे डमी कैंडिडेट, माधोपुरा टांपी स्कूल में लगा हुआ था

भास्कर न्यूज|सांचौर

अध्यापक भर्ती परीक्षा 2023 लेवल प्रथम में डमी कैंडिडेट बिठाकर नौकरी हासिल करने के आरोप में एक शिक्षक को सांचौर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसपी हरिशंकर ने बताया कि शिक्षक का नाम दिनेश कुमार पुत्र किशनाराम है, जो चितलवाना का है। पुलिस थाना सरवाना में दर्ज केस की जांच में सामने आया कि दिनेश कुमार विश्नोई राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माधोपुरा टांपी में लगा हुआ है। चितलवाना थाने में संपर्क पोर्टल से शिकायत प्राप्त हुई थी कि दिनेश कुमार ने फर्जी तरीके से डमी कैंडिडेट बिठाकर नौकरी हासिल की है।

आरोपी शिक्षक।

चितलवाना थानाधिकारी इंद्राज सिंह ने सरवाना थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। इसकी जांच एएसपी सुरेश कुमार मेहरानिया द्वारा की गई। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तारी की।

सूत्रों के अनुसार दिनेश कुमार ने अपनी जगह अध्यापक भर्ती परीक्षा 2023 व रीट 2022 में दो व्यक्तियों से परीक्षा दिलाई थी। जिसका परीक्षा फार्म नं. 202326361117 व रोल नम्बर 1184029 थे। मेरिट क्रमांक 1106 पर दिनेश कुमार पिता का नाम किशनलाल का नाम था। प्रवेश पत्र पर जो फोटो लगा था वो दिनेश की जगह दूसरे का था। दिनेश के रीट 2022 के आवेदन के बाद परीक्षा में रोल नंबर 516133363 के फार्म पर दूसरे व्यक्ति का फोटो है। दिनेश कुमार के नाम से अध्यापक भर्ती परीक्षा 2023 में आवेदन क्रमांक 202326361117 किया गया। जिसका ई प्रवेश पत्र रोल नम्बर 1184029 से 25 फरवरी 2023 सेन्ट ब्राइटमून पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल आर्या नगर मुरलीपुरा जयपुर में परीक्षा दी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि दिनेश कुमार पुत्र किशनलाल राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2022 के फार्म संख्या 221244618 की प्रति पर लगा फोटो व अध्यापक भर्ती परीक्षा 2023 के आवेदन की प्रति पर लगे फोटो अलग अलग व्यक्ति के होना पाया गया था।